कविस्त गोत्रस्य वृत्तांतम्

ब्रह्मा के पुत्र कविस्त जी के कुल में योग शास्त्र ज्ञाता योगराज पण्डित भये तिनके दो पुत्र १ भद्रशील नसुरा के दुबे कहाये, २ महीधर बिलखारी के पाठक, तिनके दो पुत्र १ किन्नर घाटमपुर के पाठक, २ कंदर्प बिलखारी के पाठक, तिनके ३ पुत्र १ जानकी किनावां के त्रिगुणायत, २ जयराम गुगरिहा के दुबे, ३ कुन्दन बिट्ठलपुर के चौबे कहाये कुन्दन के तीन पुत्र १ पुखराज चिलौली के दुबे २ चुन्नी मंगलपुर के मिश्र, ३ शक्तिधर शीतला के अग्निहोत्री कहाये, किन्नर के पुत्र हरदेव नानामऊ के पांड़े, जयराम के तीन पुत्र १ रंगनाथ भटपुरा के दुबे, २ दुबे मान्धाता चचेड़ी के चौबे, ३ खेतल क. विस्वा के अवस्थी कहाये ।

५

४

५

कविस्त गोत्र दुबे पांड़े अवस्थी मिश्र त्रिगुणायत चौबे अग्निहोत्री पाठकों का स्थान अ० वि०

स्थान	असामी	विस्वा
दुबे नसुरा के	भद्रशील	३
गुमरहा	जयराम	२
चिलौली के	पुखराज	२
भटपुरा के	रंगनाथ	”
पांडे नानामऊ के	हरदेव	”
अवस्थी कहिंजरी	खेतल	३
मिश्र मंगलपुर के	चुन्नी	२
त्रिगुणायत		
किनारा के	जानकी	१

स्थान	असामी	विस्वा
चौबे बिट्ठलपुर के	कुन्दन	२
” चचेड़ी के	मान्धाता	”
अग्निहोत्री		
शीतल के	शक्तिधर	३
पाठक बिलखारी के	महीधर	३
” घाटमपुर के	किन्नर	२
” बिलखारी के	कन्दर्प	”

इति कविस्त गोत्रम् ।

वशिष्ठ गोत्रस्य वृत्तांतम्

श्री ब्रह्मा जी के कुल में महानन्द पण्डित परम तेजस्वी भये उन्होंने मौरायें में वास कीन्ह और एकावाशिष्ठी मौरायें के चौबे [illegible]त भये उनके पुत्र महिमान मोतीपुर चौबे कहाये तिनके २ पुत्र भये १ पुत्र श्रीराम गोधनी के चौबे दूसरे प्रयागदत्त